● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

02 शहीद के सम्मान में हमेशा उनके परिवार के खड़े रहेंगे पुलिसकर्मी : डीआईजी

04 सीतामढ़ी व दरभंगा में लूट कांड का आरोपी पकड़ीदयाल से गिरफ्तार

बॉर्डर न्यूज मिरर
...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, रविवार, 22 अक्टूबर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 259

इजराइल-हमास जंग में बच्चों की सुरक्षा हो सुनिश्चित

कैलाश सत्यार्थी सहित 29 नोबेल विजेताओं की अपील

बीएनएम@नई दिल्ली

नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी सहित 29 नोबेल विजेताओं ने संयुक्त बयान में इजराइल-हमास के बीच जारी जंग में पिस रहे निर्दोष मासूमों के प्रति संवेदनशीलता दिखाने और कत्ल-ओ-गारद के इस माहौल में उनकी देखभाल एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सहानुभूतिपूर्ण कदमों एवं कार्रवाइयों का आग्रह किया है।

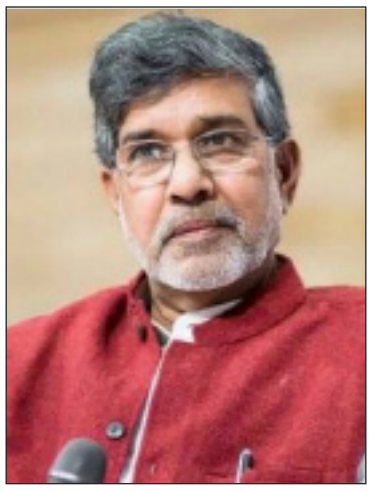

सत्यार्थी की पहल पर 29 नोबेल विजेताओं ने अपने बयान में दुनिया को याद दिलाया कि इजराइल और गाजा के बच्चे भी

ऱहमारे बच्चे हैं और उन्हें तत्काल सुरक्षा एवं मानवीय सहायता की आवश्यकता है। नोबेल पुरस्कार की सभी छह श्रेणियों के इन पुरस्कार विजेताओं ने मांग की कि सभी अपहृत बच्चों को तत्काल रिहा किया जाना चाहिए और बच्चों को युद्धस्थल से दूर किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाना चाहिए। बच्चों को पानी, भोजन, स्वास्थ्य देखभाल और आश्रय से वंचित नहीं किया जा सकता। उन्हें और दूसरे जरूरतमंद व्यक्तियों को तत्काल मानवीय सहायता पहुंचाई जानी चाहिए। संभवतः दुनिया में यह पहली बार हुआ है जब इतने नोबेल विजेताओं ने एक साथ मिलकर जंग के शिकार बच्चों की सुरक्षा और उनकी मदद के लिए आवाज उठाई है। नोबेल विजेताओं ने संयुक्त बयान में कहा, ऱकरुणा सिर्फ एक समूह के बच्चों के लिए ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। केवल एक समूह के बच्चों की मौत पर अफसोस जताया जा रहा है, विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और नेतागण उस पर बातें कर रहे हैं। लेकिन हमारे दिलों में निश्चित रूप से, दोनों ही पक्ष के बच्चों के लिए एक जैसी पीड़ा है। गाजा पट्टी में रहने वाले दस लाख बच्चों और इजराइल में रहने वाले तीस लाख बच्चों के जीवन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और उनकी हिफाजत की जानी चाहिए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दुर्गा पूजा की पूर्व संध्या पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दुर्गा पूजा की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम शुद्ध आचरण एवं सेवाभाव से देश की एकता के लिए कार्य करेंगे।

राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, "दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर, मैं देश और विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। दुर्गा पूजा का पर्व बुराई पर अच्छाई, अज्ञान पर ज्ञान और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। दुर्गा माता की अलग-अलग रूपों में आराधना की जाती है।

भारत में थीं महुआ मोइत्रा और दुबई में लॉगिन हुई पार्लियामेंट्री आईडी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। उनके खिलाफ अदानी समूह के प्रतिद्वंद्वी कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से करोड़ों रुपये घूस लेकर संसद में सवाल पूछने के गंभीर आरोपों की जांच तो पहले से ही चल रही है। अब पता चला है कि उन्होंने अपनी पार्लियामेंट्री आईडी (नेशनल इनफॉर्मेटिक्स सेंटर-एनआईसी पर बनाई जाती है) भी दूसरों से शेयर की। यहां तक कि जब महुआ मोइत्रा भारत में थीं, तब उनकी पार्लियामेंट्री आईडी दुबई में लॉगिन की गई थी। उल्लेखनीय है कि इस आईडी की वेबसाइट का संबंध पूरे देश की संसदीय व्यवस्था से है, जिस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर देश के सभी मंत्रियों और सांसदों की महत्वपूर्ण खुफिया जानकारियां अपलोड की जाती हैं।

भीषण हादसे में झारखंड के पांच लोगों की मौत

यमुना एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा, तीन की हालत गंभीर

बीएनएम@पलामू (झारखंड)

उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले में यमुना एक्सप्रेस-वे पर हुए भीषण हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है जबकि तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के शिकार हुए सभी लोग मूल रूप से झारखंड के पलामू के थाना हुसैनाबाद के जपला कचरा गांव के रहने वाले थे। सभी दुर्गा पूजा के मौके पर दिल्ली से पलामू स्थित घर लौट रहे थे।

बताया गया है कि वाहन में कुल आठ लोग सवार थे, जिसमें से पांच की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन बच्चे घायल हुए हैं। घायलों को कैलाश हॉस्पिटल जेवर में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में उपेंद्र बैठा (38), बिजेंद्र बैठा (36), कांति देवी (30), ज्योति (12), सुरेश पुत्र श्रीकांत कामत बैठा (45) हैं। घायलों 1kमें सूरज (16), आयुष (8), आर्यन (10) हैं। सभी जेजे कॉलोनी फेस-3 मदनपुर खादर थाना कालिंदी कुंज साउथ दिल्ली में रहते थे।

बताया जाता है कि ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा थाना इलाके में यमुना एक्सप्रेस-वे पर ग्रेटर नोएडा से आगरा की तरफ जाते समय यह हादसा तब हुआ जब शुक्रवार देर रात करीब एक बजे अज्ञात वाहन ने एक कार को टक्कर मार दी। सभी यमुना एक्सप्रेस-वे के रास्ते दिल्ली से झारखंड के लिए इको कार से जा रहे थे।

दावा केंद्रीय गृहमंत्री बोले, हिंसा में आई 65 फीसदी की कमी

आतंकवाद, उग्रवाद पर चोट रहेगी जारी: शाह

बीएनएम@नई दिल्ली। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि देश में आतंकी हमले, उग्रवाद और नक्सली हमलों में 65 फीसदी कमी आई है। हिंसा फैलाने वाले ऐसे राष्ट्रद्रोहियों पर तगड़ी चोट की गई है। इसमें देश की पुलिस की अहम भूमिका रही है। उन्होंने यह बात शनिवार को दिल्ली में "पुलिस स्मृति दिवस" के अवसर पर "राष्ट्रीय पुलिस स्मारक" में आयोजित एक कार्यक्रम में कही।

उन्होंने कहा कि देश के कोने-कोने और सीमा पर आजादी के बाद से अब तक जिन जवानों ने अपना बलिदान दिया है, उन्हें नमन। वह कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से उन सभी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। शाह ने सभी शहीदों के परिवारजनों से कहा कि आज देश दुनिया

में अग्रसर हो रहा है। इसकी नींव में आपके परिवारजनों का सर्वोच्च बलिदान है। राष्ट्र कभी इसे भुला नहीं सकता।

शाह ने कहा कि देश की सीमा की सुरक्षा हो या आंतरिक सुरक्षा, सजग पुलिस तंत्र के बिना यह संभव नहीं है। सरकार के सभी कर्मियों में सबसे कठिन अगर किसी की ड्यूटी है तो वो पुलिस के जवान की है। चाहे गर्मी हो, सर्दी हो या कोई त्योहार हो, वो सुचारू रूप से देश चले, इसके लिए ड्यूटी पर तैनात रहता है। गृहमंत्री शाह ने कहा कि चाहे आतंकवादियों से टक्कर लेनी हो, अपराध की रोकथाम करनी हो, विशाल भीड़ के सामने कानून-व्यवस्था को बनाये रखना हो या आपदाओं में ढाल बन आम नागरिक की सुरक्षा करनी हो, हमारे देश के पुलिस जवानों ने सभी मौकों पर खुद को साबित किया है। इनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

उल्लेखनीय कि 21 अक्टूबर, 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में सशस्त्र चीनी टुकड़ी द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में पुलिस के 10 वीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी।

भारत का गगनयान अभियान, इसरो ने अबॉर्ट मिशन-1 (टीवी-डी1) लॉन्च किया

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आज पूर्वाह्न करीब 10 बजे अपने एकल-चरण तरल रॉकेट के प्रक्षेपण के जरिये पहले 'क्रू मॉड्यूल' परीक्षण के साथ महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम 'गगनयान' की यात्रा शुरू की। यह परीक्षण अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किया गया है।

इसरो का लक्ष्य तीन दिवसीय गगनयान अभियान के लिए मनुष्यों को 400 किलोमीटर की पृथ्वी की निचली कक्षा से अंतरिक्ष में भेजना और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना है। इसरो के स्पेसपोर्ट के पहले लॉन्च पैड से अबॉर्ट-1 (टीवी-डी1) को लॉन्च किया गया।

इसकी सफलता मानवरहित अंतरिक्ष अभियानों के लिए वैश्विक मंच तैयार करेगी।

इसी के साथ भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के साथ पहला गगनयान कार्यक्रम शुरू होगा। इसके 2025 में शुरू होने की उम्मीद है। इसमें क्रू इंटरफेस, जीवन रक्षक प्रणाली, वैमानिकी और गति में कमी से जुड़ी प्रणाली (डिसेलेरेशन सिस्टम) मौजूद हैं। नीचे आने से लेकर उतरने तक के दौरान चालकदल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इसे पुनः प्रवेश के लिए भी डिजाइन किया गया है।

शहीद के सम्मान में हमेशा उनके परिवार के खड़े रहेंगे पुलिसकर्मी : डीआईजी

बेगूसराय। राष्ट्रीय पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर कृतज्ञ देशवासी आज शहीद पुलिस कर्मियों को याद कर रहे हैं। इस अवसर पर बेगूसराय पुलिस लाइन में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) बाबूराम एवं एसपी योगेन्द्र कुमार ने परेड की सलामी लेने के बाद शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीआईजी बाबूराम ने कहा कि आज देश की सेवा करते हुए शहादत देने वाले शहीदों को याद करने, उन्हें सम्मानित करने का दिन है। पिछले वर्ष से अब तक बिहार में भी आठ पुलिसकर्मियों ने अपनी शहादत दी। जिसमें दो सब इंस्पेक्टर, दो एएसआई एवं चार जवान हैं। हम इनसे प्रेरणा लेते हैं, सम्मान देते हैं और उनके परिवार के साथ हमेशा खड़ा रहने की प्रतिबद्धता दोहराते हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीआईजी ने कहा कि आज के दिन का ऐतिहासिक महत्व है। आज के ही दिन 1959 में लद्दाख में सीआरपीएफ की टुकड़ी पर चीन के जवानों ने जब हमला कर दिया था तो हमारे जवानों ने भारत माता की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक लड़ते हुए शहादत दी थी। जिन जवानों ने पदाधिकारी ने शहादत दी, हम उनके प्रति सम्मान दें और उनसे प्रेरणा लें। एसपी योगेन्द्र कुमार ने कहा कि आज पूरा देश पुलिस स्मृति-सह-शहादत दिवस मना रहा है। इस अवसर पर हमने भी अपने पुलिस लाइन में शहीदों को याद किया। उनसे प्रेरणा मिलती है, कर्तव्य के दौरान उनका दिया गया बलिदान हमेशा याद रहेगा। आज के एतिहासिक दिन का महत्व आने वाली पुलिस पीढ़ी और देश सेवा में लगे लोगों को प्रेरित करता रहेगा।

एसपी ने कहा कि बिहार में अब तक एसपी रैंक के चार अधिकारी एवं 761 सिपाही सहित 1220 पुलिसकर्मियों ने सेवा के दौरान अपनी शहादत दी है।

प्रधानमंत्री के ध्येय से 2023 में प्राप्त करेंगे दो करोड़ लखपति दीदी का लक्ष्य : गिरिराज सिंह

बेगूसराय। केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि उनका मंत्रालय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के आदर्श लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत धन की कोई कमी नहीं है। इस योजना के तहत अतिरिक्त धनराशि के लिए वित्त मंत्रालय से संपर्क किया गया है, इसे जल्द ही स्वीकृति प्रदान कर दी जाएगी। उनका मंत्रालय इस वर्ष के अंत तक दो करोड़ लखपति दीदियों का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। विभिन्न योजनाओं के संबंध में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में ग्रामीण विकास मंत्रालय ने ग्रामीण गरीबों के जीवन में परिवर्तन के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में काफी प्रगति की है। नौ वर्ष की उपलब्धियों पर विवरण पत्र जारी किया है।

दीक्षांत समारोह पर दिए गए बयान पर नीतीश की सफाई

राज्यपाल और मुख्यमंत्री की उपस्थिति में मनाई गई श्रीकृष्ण सिंह की जयंती

बीएनएम@पटना। बिहार केसरी स्व. डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की जयंती पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि मेरे वक्तव्य को आप लोगों ने कहीं जगह नहीं दिया और बात का बतंगड़ बना दिया। कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री ने भाजपा नेताओं से दोस्ती वाले बयान पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जब हम कुछ बोलते हैं तो आप लोग ध्यान से नहीं सुनते हैं।

उन्होंने कहा कि मोतिहारी के महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय विश्वविद्यालय के निर्माण के संबंध में हम बता रहे थे। उस समय की केंद्र सरकार से हमने केंद्रीय विश्वविद्यालय निर्माण के संबंध में कहा था। चंपारण क्षेत्र राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से संबंधित है। इसलिए हमने कहा था कि यहीं पर केंद्रीय विश्वविद्यालय का निर्माण किया जाए।

सीएम ने कहा कि वर्ष 2005 में जब हमारी सरकार बनी तो हमने चंपारण से ही कार्यक्रम की शुरुआत की थी। इन्हीं सब बातों की हम चर्चा कर रहे थे और उन लोगों से कह रहे थे कि आप सभी लोग इसे याद रखिएगा न? तो सभी ने ताली बजाकर कहा हां हम याद रखेंगे। बस इतनी सी ही बात है। हमने कहीं ऐसी बात नहीं की है कि हम आपके साथ हैं। जो लोग केवल केंद्र की बात करते रहते हैं उन्हें हम अलर्ट करते रहते हैं कि जो काम बिहार सरकार के द्वारा राज्य में किया गया कार्य को जरूर याद रखिएगा। हम जो बोलते हैं उसको लोग मीडिया में जगह नहीं देते हैं। हमने अपने अधिकारियों से कहा है कि मेरा जो उस दिन भाषण हुआ है उसको भी रिलीज कर दीजिए। आज हम जो भी काम किए हैं किसी के कहने पर नहीं किए हैं। यह मेरी व्यक्तिगत इच्छा थी और वे लोग सहयोग में थे।

भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी के बयान से संबंधित पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशील कुमार मोदी पहले क्या थे? लालू प्रसाद यादव पटना यूनिवर्सिटी के चेयरमैन थे और उनको जनरल सेक्रेटरी बनाए। उस वक्त हम इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ते थे। उस समय हमारे इंजीनियरिंग कॉलेज का पांच सौ वोट था। उसमें से हमलोगों ने 400 वोट इन्हीं लोगों को दिलवाए थे, तब लोग जीतकर आए। जब हमलोग साथ में थे तब सब काम उनको ठीक लग रहा था। मुझे तकलीफ हुई थी जब उन्हें उप मुख्यमंत्री बनाया गया।

नीतीश ने कहा कि आजकल सुशील मोदी रोज कुछ कुछ बोलते रहते हैं। इस पर मुझे कुछ नहीं कहना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिसको जो कुछ कहना है कहे। हमको इससे कोई लेना देना नहीं है।

दावा दबंगई पर मूकदर्शक बनी पुलिस

उद्योग प्रोत्साहन को कई कदम उठाए: नीतीश

बीएनएम@पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समक्ष शनिवार को उद्योग विभाग, सूचना प्रावैधिकी विभाग तथा पर्यटन विभाग ने अपने-अपने विभागों से संबंधित प्रस्तुति दी। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

सीएम ने कहा कि हमलोगों ने ऐसी पॉलिसी बनायी है कि यहां अधिक से अधिक निवेश हो सके। साथ ही यहां रोजगार के अवसर भी सृजित हों।

हमलोगों का उद्देश्य है कि जो भी नीतियां बनायी जाए उससे निवेशकों को अधिक से अधिक प्रोत्साहन मिले और यहां उन्हें उद्योग-धंधे स्थापित करने में किसी प्रकार की कोई असुविधा नहीं हो। जो भी नीतियां बनायी गई हैं उसका अनुश्रवण और संचालन ठीक ढंग से करते रहें।

सीएम ने कहा कि कोरोना काल के दौरान भी हमलोगों ने बिहार के बाहर काम करने वाले लोगों को यहां आकर अपना काम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कई लोगों ने बिहार आकर स्वरोजगार स्थापित किया। कई जगहों पर जाकर उन कार्यों को हमने देखा है। लोगों के हित में हमलोग लगातार काम कर रहे हैं।

बिहार के नालंदा में बड़ा ट्रेन हादसा टला, एक ही ट्रैक पर आईं दो ट्रेनें

पटना। बिहार के नालंदा में हिलसा रेलवे स्टेशन के पास शनिवार को एक बड़ा रेल हादसा होने से टल गया। यहां एक ही ट्रैक पर दो ट्रेनें आमने-सामने आ गईं लेकिन ट्रेन के पायलट ने सूझबूझ दिखाई और तुरंत ट्रेन को ब्रेक लगा दिया, जिससे अनहोनी टल गई। घटना के पीछे स्टेशन मास्टर की लापरवाही सामने आ रही है।

बताया गया है कि शनिवार को मगध एक्सप्रेस इस्लामपुर जाने के लिए हिलसा रेलवे स्टेशन के ट्रैक पर खड़ी थी। इस बीच इस्लामपुर की ओर से एक मालगाड़ी हिलसा स्टेशन पर पहुंच गई। एक ही ट्रैक पर दो ट्रेनों के आने के बाद दोनों गाड़ियों के पायलट ने समझदारी से काम लिया। मालगाड़ी के पायलट ने रफ्तार कम कर दी, जिससे दोनों ट्रेनों की टक्कर होने से बच गई। रेल यात्रियों और स्थानीय लोगों का कहना था कि यदि समय रहते ट्रेन के पायलट ने सूझबूझ का

परिचय नहीं दिया होता तो सैकड़ों लोगों की जान जा सकती थी।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पूर्व ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय और पटना रेलखंड पर बक्सर के रघुनाथपुर स्टेशन के पास नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस हादसे की शिकार हो गई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी जबकि कई लोग घायल हो गए थे।

दुर्गा पुजा को लेकर निकाली गई शोभा यात्रा

रामगढ़वा। दुर्गा पुजा को लेकर प्रखंड के विभिन्न मंदिरों व पूजा पंडालों से शनिवार को शोभा यात्रा निकाली गई। इस कलश शोभा यात्रा में हजारों की संख्या में कुंवारी कन्याओं, महिलाएं व छोटे छोटे बच्चे शामिल हुए। इस जुलुश में गाजे बाजे के साथ घोड़ा भी शरीक रहे। मां दुर्गा के जयकारे से पूरा प्रखंड भक्तिमय हो गया। जगह जगह पर श्रद्धालुओं के द्वारा स्वागत किया गया साथ साथ कन्याओं के लिए नींबू पानी की भी व्यवस्था की गई थी। शोभा यात्रा पूजा स्थल से जुलूस निकलकर पूरे गांव और बाजार होते हुए तिलावे नदी पुल घाट पर पहुंची। जहां पर पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश में कन्याओं, महिलाएं व छोट छोट बच्चों के द्वारा जलबोझी की गई। जलबोझी के बाद सभी के द्वारा कलश लेकर अपने अपने मंदिरों और पूजा पंडालों पर पहुंचे। कलश यात्रा में अंकू कुमार, संजय चौधरी, बलराम सर्राफ, पप्पू कुमार, मोहन कुमार, रंजित कुमार, जिष्णु तिवारी, सत्रोहन महतो, नूतन त्रिवेदी, जयराम भगत, संदीप कुमार, मनोज कुमार सहित कई भक्त शामिल रहे।

जेड अहमद बने रामगढ़वा प्रखंड युवा राजद के प्रधान महासचिव

रामगढ़वा। जिला युवा राजद अध्यक्ष शेख असलम ने रामगढ़वा प्रखंड के बेलहिया गांव निवासी व युवा नेता जेड अहमद अंसारी को प्रखंड युवा राजद के प्रधान महासचिव मनोनीत किया है। इनके प्रधान महासचिव मनोनीत होने पर सुगौली विधान सभा क्षेत्र के दोनों प्रखंड के राजद कार्यकर्ताओ व नेताओ ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

जेड अहमद अंसारी को प्रधान महासचिव बनाये जाने पर सुगौली विधायक ई. शशि भूषण सिंह, प्रदेश राजद अल्पसंख्यक सेल के उपाध्यक्ष रेयाजुल हक मुन्ना, जय किशोर यादव, रमेश चन्द्र शुक्ल, मूसा मिया, नसीबुल हक, मोतिलाल यादव, सुरेंद्र यादव, सुरेंद्र पटेल, अखिलेश झा, मुस्ताक मंसूरी, मुखिया शमशुल जोहा अंसारी, जाने आलम, मोतिउर रजा, डॉ. अलताज आलम सहित सैकड़ों

कार्यकर्ताओ ने बधाई देते हुए कहा कि इनके मनोनयन से युवा राजद मजबूत होगी।

आंख में मिर्च पाउडर झोंक कर 4 बदमाशों ने 40 हजार रुपए छीने

तुरकौलिया। एचडीएफसी एटीएम से पैसे निकालकर जा रहे युवक के आंख में मिर्चा पाउडर झोंक कर 4 बदमाशों ने 40 हजार रुपए छीन कर भाग निकले। थाना क्षेत्र के खाप टिकैता गांव का तबरेज आलम तुरकौलिया एचडीएफसी एटीएम में से 40 हजार रुपए निकालकर बाइक से अपने घर जा रहा था। इसी दौरान मुंशी इनार के आगे पुल के समीप पिछे से आकर बाइक को धक्का मारकर निचे गिराकर आंख में मिर्चा का पाउडर झोंक कर पैसे लेकर भाग गए। दो बाइक से 4 की संख्या में बदमाश आए थे। इसी बीच पुलिस गश्ती वाहन गुजर रहा था। जहां पुलिस वाहन को रोककर सारी बात बताया गया। वही बाइक मालिक तबरेज आलम ने बताया कि घटना को लेकर थाना पर आवेदन दिया गया है। जहां बताया गया है कि 4 अज्ञात बदमाशों ने आंख में मिर्चा पाउडर झोंककर घटना का अंजाम दिया है।

नेपाली सांसद ने सशस्त्र सीमा बल पर भारत–नेपाल संबंधों की अनदेखी का लगाया आरोप

बोले बेटी–रोटी का संबंध हो रहा प्रभावित

मोतिहारी। नेपाल के बीरगंज पर्सा क्षेत्र संख्या 1 से सांसद सह नेपाल की संसद में जनता समाजवादी पार्टी के सचेतक प्रदीप यादव ने भारत-नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल के द्वारा रक्सौल-वीरगंज बॉर्डर पर मैत्री के ऊपर बनाये गये चेक पोस्ट के कारण नेपाल के नागरिकों को हो रही परेशानी को लेकर भारत सरकार को चिठ्ठी लिखी है।

वीरगंज स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के माध्यम से सांसद प्रदीप यादव ने पत्र देकर यह आरोप लगाया है कि एसएसबी की कार्यशैली के कारण भारत और नेपाल के पौराणिक संबंध प्रभावित हो रहे है। भारत से कोई बेटी विदा होकर नेपाल यदि सनेस (उपहार) में दो किलो चूड़ा और चिनी लेकर भी आ रही है तो उसे भी एसएसबी के द्वारा नहीं लाने दिया जा रहा है। दूसरी तरफ एसएसबी के द्वारा मैत्री पुल पर चेकिंग करने से यहां जाम लग रहा है, जिससे दोनो देश के नागरिक परेशान हो रहे है। साथ ही, उन्होंने कहा कि मैं सीमा का सांसद हूं तो लोग मेरे पास लगातार इसकी शिकायत लेकर आ रहे है, जिसके बाद मैने दूतावास को पत्र दिया है।

यहां बता दे कि बीते दिनों भारत के गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय के रक्सौल प्रवास के दौरान भी स्थानीय व्यापारियों के द्वारा इससे संबंधित शिकायत की गयी थी, जिस पर मंत्री ने यह भरोसा दिलाया था कि समस्या का समाधान 10 दिनों के अंदर हो जायेगा, लेकिन अभी भी स्थिति जस की तस बनी हुयी है। मैत्री पुल काफी संकिंण है और यहां चेकिंग होने के कारण आवागमन में परेशानी हो रही है। व्यापारियों की मांग है कि इसको पुल से पहले रखा जाए। जिससे की परेशानी न हो।

बेतिया मे निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

बेतिया। बेतिया क्षेत्र के सागर पोखरा के समीप निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के कार्यक्रम का उद्घाटन बेतिया सांसद डॉ संजय जायसवाल एवं चनपटिया विधायक उमाकांत सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन चंपा बिन्द ट्रस्ट एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज बेतिया द्वारा किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में मरीजों के लिए कोई तरह की सुविधाएं मौजूद थी, जैसे कि वजन करना, ब्लड प्रेशर मापन, हाइट मापन, शुगर की जांच, ऑक्सीजन लेवल की जांच, पानी के शुद्धता की जांच, इत्यादि। कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद, एम पी डॉक्टर संजय जायसवाल ने पत्रकारों से बातचीत की और कहा कि राजू हमारा सबसे पुराना और प्रिय मित्र है। इसने इस चिकित्सा पद्धति से बहुत लोगों की सेवा की है। पूरे जिला के लोग इस चीज को जानते हैं। जब डॉक्टर संजय जयसवाल से पत्रकारों ने पूछा कि इलेक्ट्रॉन होम्योपैथिक की मान्यता के लिए केंद्र सरकार से कब बात करेंगे ? इसपर डॉक्टर जायसवाल ने कहा कि हमने डॉ. राजीव जी को कह दिया है कि पूरा प्रोफार्मा तैयार करके हमको दिजिए ताकि हम पार्लियामेंट में इसके लिए आवाज उठाएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉक्टर राजीव नयन ने भी पत्रकारों से बातचीत की, तथा इस तथ्य को मीडिया के माध्यम से समझाया कि यह एक सस्ता और हानि रहित चिकित्सा पद्धति है। उन्होंने बताया कि जिस तरह से लोग हरी साग, सब्जी, फल, फूल खाते हैं। उसी के अर्क से इलेक्ट्रो होम्योपैथी दवाएं बनती है, जो काफी फायदामंद है, और किसी तरह का कोई इसका साइड इफेक्ट नहीं होता है। शिविर में जांच के लिए मरीजों की लाइन लगी हुई थी। इस शिविर में इलाज करने के लिए दर्जनों डॉक्टर जैसे ; कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजीव नयन, डॉक्टर निशा कुमारी, डॉ. मुकेश कुमार, डॉक्टर राजनयन, डॉ. अर्चना कुमारी, डॉक्टर अंकिता कुमारी, डॉक्टर सबजून नेशा, डॉक्टर सत्यनारायण प्रसाद, डॉक्टर फूलमान अंसारी, डॉक्टर अखिलेश कुमार, डॉ विजेंद्र कुमार, डॉक्टर नीरज कुमार शर्मा, डॉ. राजकुमार राम, डॉ. सतीश कुमार, डॉ. राकेश कुमार, डॉक्टर शमशाद अंसारी के साथ इस कॉलेज के दर्जनों छात्र उपस्थित रहे।

श्रद्धा सेना के जवानों ने आदिशक्ति मां दुर्गा को दिया गॉर्ड ऑफ ऑनर

नेपाल में फूलापाती उत्सव की धूम

बीएनएम@मोतिहारी। जिले के रक्सौल शहर से सटे नेपाल के वीरगंज में शनिवार को शारदीय नवरात्र के सातवे दिन फूलापाती उत्सव धुमधाम से मनायी गयी। उल्लेखनीय है,कि परंपरागत रूप से वर्षो से चली आ रही इस परंपरा के अनुरूप नेपाल सरकार के राजस्व विभाग (मालपोत कार्यालय) से मां की डोली निकाली गयी।जो वीरगंज के देवी स्थान तक पहुंची।

इस दौरान नेपाली सेना के बैंड दस्ते जवानो के भक्तिमय संगीत के साथ ही माता को सशस्त्र बलों के द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।उक्त रस्म के समय नेपाल के पर्सा जिला के जिलाधिकारी, वीरगंज महानगरपालिका के मेयर राजेशमान सिंह व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। जहां

धूमधाम के साथ फूलापाती का डोला लेकर मेयर राजेश मान सिंह सहित अन्य लोग गहवा माई मंदिर पहुंचे, जहां पर विधिवत पूजा पाठ के बाद पंच बली प्रदान की गयी। इसके साथ ही,मां का खोइछा भी भरा गया। फूलापाती की इस रस्म देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग रक्सौल व नेपाल के अलग-अलग इलाके से यहां पहुंचे थे।

वीरगंज के मेयर राजेशमान सिंह ने बताया कि फूलापाती की परंपरा बहुत पूरानी है। मां भगवती का आर्शीवाद आदिकाल से संपूर्ण पर रहा है और नवरात्र में सभी अलग-अलग विधि से मां की विधिवत पूजा अर्चना करते है। इधर, दूसरी तरफ नवरात्र को लेकर वीरगंज के राधे माई मंदिर में सांसद प्रदीप यादव के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना की गयी। वहीं अलग-अलग पूजा समितियों के द्वारा भव्य डोला यात्रा भी निकाली गयी।

71वीं वाहिनीं एसएसबी के द्वारा किया गया स्मृति दिवस का आयोजन

मोतिहारी। 71वीं वाहिनीं सशस्त्र सीमा बल पीपराकोठी में शनिवार को विश्वजीत तिवारी कार्यवाहक कमांडेंट के नेतृत्व में स्मृति दिवस का आयोजन किया गया 1 इस उपलक्ष्य पर कार्यवाहक कमांडेंट के द्वारा देश की सुरक्षा में अपने प्राण की आहुति दिये और वीरगति को प्राप्त हुए शहीदों का नाम पढ़ा गया तत्पश्चात उन सभी शहीदों को सलामी देकर उन्हें नमन किया गया 1 इस अवसर पर कार्यवाहक कमांडेंट ने सभी बलकर्मियों को बताया कि आज के ही दिन सन 1959 में उत्तर पूर्वी लद्दाख में जहाँ पर लगभग -40 डिग्री तापमान था वहां एक दिन पहले हॉट स्प्रिंग्स में गश्ती के लिए निकले सुरक्षा कर्मियों के सदस्य वापस नहीं लौटे, तब सभी लापता सुरक्षा कर्मियों की तलाश में एक सर्च ऑपरेशन शुरू

किया गया लेकिन पहाड़ी की चोटी पर छुपे हुए चीनी सेना ने भारत के उन बहादुर सुरक्षा कर्मियों पर छुप कर गोलियाँ चलाना और हथगोले फेंकने शुरू कर दिया जिसमे दस बहादुर पुलिस के जवान शहीद हो गए और बहुत से जावन घायल हो गए1 कार्यक्रम के दौरान विश्वजीत तिवारी कार्यवाहक कमांडेंट, उपेन्द्र सिंह डांगी उप- कमांडेंट, अंसल श्रीवास्तव सहा. कमांडेंट, वाहिनीं चिकित्सक डॉ. हंसराज, इंस्पेक्टर रतनसी, राजनन्दन, सुरेन्द्र सिंह, उप-निरीक्षक मनोज कुमार, रजनीश कुमार, संदीप कुमार, खुशप्रीत, प्रदीप, संयम और बड़ी संख्या में वाहिनीं के बलकर्मी मौजूद थे।

सप्तमी को देवियों के नेतृत्व में निकली डोली यात्रा

मोतिहारी@बीएनएम

अज्ञानता रुपी राक्षसों से रक्षा करने वाली, ममतामयी स्नेह, मोक्ष प्रदायणी व सर्वकल्याणी भगवती दुर्गा की महा उपासना का महापर्व दुर्गा पूजा के सप्तमी को नौ देवियों के नेतृत्व में नकरदेई थाना क्षेत्र के कटकेनवा में सातों माई मंदिर प्रांगण से डोली यात्रा रविवार को प्रारंभ हुई। देवी की डोली यात्रा में नौ देवियों ने देवी की स्वरुप में खड़ग, खप्पर, कमल, कत्ता आदि के साथ गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़े, लाउड स्पीकर के साथ निकली।बदूसरी ओर, भगवान शंकर के स्वरुप अपने गणों के साथ उक्त यात्रा मे भूत-बैताल सहित चल रहे थे।देवीस्वरुपा विल्वफल लेकर डोली पुनः उल्लेखित प्रांगण में पहुंची एवं पट खोलने हेतु पूजा प्रारंभ हुई। नकरदेई थानाध्यक्ष विक्रांत सिंह सदल डोली यात्रा में मौजूद थे। उक्त बाबत,बनारस से आए आचार्य आशीष कुमार मिश्र ने बताया भक्ति की नौ विद्याओं में से पंचम भक्ति भगवत पर दृढ़ विश्वास है।अतएव,भगवत व भगवती पर विश्वास करना ही उनकी निश्छल भक्ति है।

इधर, यात्रा में शामिल समाजसेवी किशोरी पटेल ने बताया कि दिव्य माँ जो बुद्धि, दया, सौंदर्य के रूप में सभी प्राणियों में विद्यमान हैं,भगवान शिव की पत्नी हैं। ब्रह्मांड का निर्माण, पालन और विनाश करती हैं। इसलिए उनकी पूजन अत्यंत आवश्यक है।

डोली यात्रा में पन्नालाल प्रसाद मुखिया, ज्योति पटेल पंसस, सुनील कुशवाहा,बद्री प्रसाद पटेल,प्रगास गिरि, लालबाबू पटेल,मुन्ना मिश्र, कामेश्वर पटेल,बैजनाथ पटेल, हरेंद्र पटेल, तेज नारायण पटेल, अखिलेश पटेल, रामबाबू पटेल, रामविनय पटेल, मुरारी ठाकुर, ओम पटेल, सुजीत पटेल, मुरारी ठाकुर,सुमन ठाकुर, संतलाल पटेल,रामभरोसे ठाकुर, राजकिशोर गिरि, रामदेनी पासवान, अमेरिका पासवान, शोलख मलिक शामिल थे।

हावड़ा से रक्सौल के बीच चलेगी पूजा स्पेशल ट्रेन

जमुई। दुर्गा पूजा को लेकर रेलवे प्रशासन द्वारा स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया गया है। यात्रियों की अत्यधिक भीड़ होने को लेकर इनकी सुविधा को देखते हुए हावड़ा से रक्सौल के बीच पूजा स्पेशल गाड़ी चलाने का निर्णय लिया है।

इसकी जानकारी हाजीपुर जोन के मुख्य सूचना पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि हावड़ा-रक्सौल पूजा स्पेशल हावड़ा से रात्रि 11 बजे प्रस्थान करेगी। जो 21.10.2023 से लेकर 18.11.2023 तक प्रत्येक शनिवार को चलेगी।

यह ट्रेन पांच ट्रिप लगाएगी। यह ट्रेन दिन के 2:15 बजे रक्सौल पहुंचेगी। अगले दिन रक्सौल-हावड़ा पूजा स्पेशल रक्सौल से शाम के 4:55 बजे खुलेगी।

यह ट्रेन आगामी 22.10.2023 और 19.11.2023 के बीच प्रत्येक रविवार को सुबह 8:30 बजे हावड़ा पहुंचेगी।

माँ का खुला पट, दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

भव्य पंडालो में निर्मित मां की मूर्ति श्रद्धालुओं को लुभाने लगी

विधि व्यवस्था बनाये रखने में जुटे पुलिस के जवान

बीएनएम@मोतिहारी

शारदीय नवरात्र के सातवें दिन आदि शक्ति मां दुर्गा का पट वैदिग मंत्रोच्चारण के बाद दर्शन के लिए खोल दिये गये। मां का पट खुलते ही पंडालो में निर्मित मां दुर्गे की अलौकिक रूप के पूजन के लिये पूजन के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भव्य व आकर्षक पंडाल में निर्मित मां की मूर्ति के दर्शन के लिए महिला, पुरूष सहित युवक युवतियों की भीड़ उमड़ने लगी है। शनिवार को माता कालरात्रि का पूजन पूरा विधि विधान से हुआ। जबकि देर रात में निशा पूजा कर लोगों ने मां से मन्नतें मांगी। शास्त्र के अनुसार निशा पूजा का महत्व काफी है। जो भक्त मां की पूजा निश्चल भाव से करते है। माता उनकी मन्नते अवश्य पूरा कर देती है। रविवार को माता के आठवे स्वरूप महागौरी माता के स्वरूप का पूजन होगा। इसके साथ ही आज सप्तमी तिथि से ही सर्वत्र मेला का दृष्य कायम हो गया है। शाम ढलते ही समूचा शहर दुधिया एवं रंगीन बत्तियों से चकाचैंध हो गया। ज्यों-ज्यों रात गहराती गई, लोग मां की मूर्ति के दर्शन के लिए निकल सड़को पर दिखने लगे। सभी पूजा पंडालो के समीप पूजन समाग्री के साथ ही खेल-खिलौने आदि की सजी दुकानदारों को इस वर्ष मौसम अनुकूल होने से बिक्री की उम्मीद है। फल-पकवान आदि की भी बिक्री खूब होने की उम्मीद है।

माता को प्रसाद चढ़ाने के लिए श्रद्धालु, पान, पुष्प, नारियल, फल, पकवान आदि पवित्र चीजो की खरीदारी कर माता को अर्पित कर धन्य-धन्य महसूस करने लगे है। शहर के विभिन्न जगहो पर पूजा समिति के लोग श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, नतीजतन पूरी मुस्तैदी के साथ जुट गये है। इसके अतिरिक्त पुलिस की गश्त सहित जगह-जगह तैनात पुलिस बल के जवान लगातार यातायात आदि को सुचारू रखने के लिए मुस्तैदी के साथ कार्य कर रहे है। सप्तमी तिथि के अपेक्षा अष्टमी एवं नवमी तिथि को भीड़ बढ़ने की संभावना है। ऐसा अनुमान है कि अष्टमी एवं नवमी को भक्तो का सैलाब माता के दर्शन को घरो से निकलेगे। ऐसे में पूजा समिति के सदस्यों सहित शासन-प्रशासन के लोग भी पूरी तैयारी कर ली है। उक्त दोनो दिन शाम ढलने के बाद यातायात को सुचारू रखना प्रशासन के लिए चुनौती होगा।

इस संबंध में एएसपी श्रीराज का कहना है कि पर्याप्त संख्या में महिला एवं पुरूष बलो की तैनाती पूजा पंडाल से लेकर चैक-चैराहो व मार्गो पर की गई है। वाहनों की पार्किंग के लिए स्थल का चयन कर लिया गया है। दर्शनार्थियों को निर्धारित वाहन स्थल तक ही वाहनों से जाने की इजाजत होगी।

सीतामढ़ी व दरभंगा में लूट कांड का आरोपी पकड़ीदयाल से गिरफ्तार

बीएनएम@मोतिहारी। जिला पुलिस की टीम ने ढाका पकडीदयाल रोड में गुप्त सूचना के आधार पर अंतर जिला लुटेरा गैंग के एक अपराधी सहित दो बदमाश को गिरफ्तार किया है।

बाइक सवार दोनो अपराधियों की योजना फिर से एक लूट करने की थी पर इससे पूर्व दोनो को गिरफ्तार किया गया है। सूचना के मुताबिक उक्त दोनों अपराधी लूट या किसी बड़े घटना को अंजाम देने के फिराक में थे। एसपी कांतेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

गिरफ्तार अपराधियों के पास से दो आर्म्स , 5 जिंदा कारतूस , दो मोबाइल फोन वह एक बाइक जप्त की गई है। गिरफ्तार अपराधियों में सीतामढ़ी सुरसंड का अशोक कुमार पासवान एवं अरविंद ठाकुर बताए गए हैं। डीएसपी ने

बताया है कि अशोक पासवान पूर्व से ही शातिर अपराधी रहा है।

उसके विरुद्ध सीतामढ़ी के सुरसंड व पुपरी में आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है। इसके अलावे दरभंगा जिले के सिमरी थाना क्षेत्र में भी उसने लूट किया था,जिसको लेकर दरभंगा पुलिस को भी उसकी तलाश थी। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज किये गए है। छापेमारी टीम में डीएसपी के अलावा पकड़ीदयाल थाना अध्यक्ष सरफराज अहमद, पीएसआई अनूप कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

रक्सौल स्टेशन अधीक्षक को मिला पीसीओएम अवार्ड

मोतिहारी। रक्सौल स्टेशन अधीक्षक अनिल कुमार सिंह को पीसीओएम ऑवार्ड से सम्मानित किया गया है। पूर्व मध्य रेलवे समस्तीपुर मंडल के मुख्यालय समस्तीपुर में 20 अक्टूबर को एक कार्यक्रम के बीच मंडल रेल प्रबंधक विनय कुमार श्रीवास्तव के द्वारा यह पुरस्कार स्टेशन अधीक्षक अनिल कुमार सिंह को दिया गया। उत्कृष्ट कार्य को लेकर एसएस अनिल कुमार सिंह को इससे पूर्व में भी डीआरएम स्तर पर कई अवार्ड प्राप्त हो चुके है। पीसीओएम हाजीपुर अवार्ड मिलने के बाद हर्ष व्यक्त करते हुए स्टेशन अधीक्षक श्री सिंह ने कहा कि उन्हे गर्व की है कि वे भारतीय रेल की सेवा कर रहे है और वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा दिये गये टॉस्क को निष्ठा के साथ पूरा कर रहे है।

स्टेशन अधीक्षक अनिल कुमार सिंह को पुरस्कृत किये जाने पर डीसीआई संजय कुमार शर्मा, आरपीएफ निरीक्षक ऋतु राज कश्यप, यातायात निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार, माल अधीक्षक प्रबोध कुमार, वाणिज्य अधीक्षक

मानिकचंद, मुख्य चल टिकट निरीक्षक सुधीर कुमार मिश्रा, जीआरपी थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार, आरक्षण पर्यवेक्षक सुनिल कुमार सिंह, सीएलआई अशोक कुमार सिंह, सीडब्लूएस उमेश कुमार, उप स्टेशन अधीक्षक मनीष कुमार सिंह, सतीश कुमार जायसवाल सहित अन्य रेल कर्मियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए इनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

BORDER NEWSMIRROR

Editorial

Sunday 22 October 2023

कृषि व्यवस्था का कायाकल्प

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसने हमारे आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृति और आध्यात्मिक प्रगति में एक महान भूमिका निभायी है। हम कृषि को एक उत्सव के रूप में मनाते हैं। हमारे किसान बंधुओं ने अपनी संस्कृति में वनों, पहाड़ों, नदियों, पशुधन, जीव-जंतुओं को एक दैवीय स्थान दिया है। क्या प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा का ऐसा अनुपम उदाहरण आपने कहीं देखा है? केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और सीजीआईएआर द्वारा हाल ही में 'अनुसंधान से प्रभाव तक : न्याय संगत और लचीली कृषि-खाद्य प्रणालियां' विषय में एक चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया और इस दौरान केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने भी मंच साझा किया। इस सम्मेलन में वैश्विक स्तर पर कोरोना महामारी के कृषि-खाद्य प्रणालियों पर प्रभाव और इसमें लैंगिक असमानता से संबंधित चुनौतियों को उजागर करने का प्रयास किया गया। आज जलवायु परिवर्तन के कारण पूरे मानव जाति का अस्तित्व संकट में है। इस वजह से हमारा खाद्य उत्पादन भी बुरी तरह से बाधित हो रहा है। ऐसे में हमें कृषि-खाद्य प्रणालियों से संबंधित खतरों से निपटने के लिए इसके दुष्चक्र को तोड़ना ही होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि आज के समय में कृषि संबंधित गतिविधियों में महिलाओं की बेहद सक्रिय भागीदारी है। लेकिन हमने एक लंबे समय तक उन्हें निर्णय लेने वालों की भूमिका निभाने से वंचित रखा है। लेकिन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में अन्य क्षेत्रों की तरह कृषि के क्षेत्र में भी नारी सशक्तिकरण को एक नया बल मिला है। प्रधानमंत्री मोदी यह भली-भांति समझते हैं कि यदि हमें कृषि के क्षेत्र में समावेशी विकास के लक्ष्य को हासिल करना है, तो हमें नारी सशक्तिकरण पर ध्यान देना ही होगा। इसके लिए भारत सरकार द्वारा महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना, राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन जैसे कई पहलों की शुरुआत की गई और इसका हमें बेहद सकारात्मक परिणाम देखने के लिए मिल रहा है।

भारत के मन में रमते हैं श्रीराम

हृदयनारायण दीक्षित

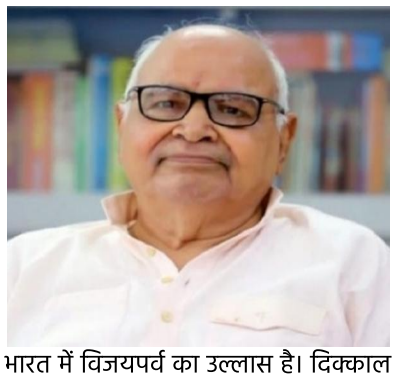

भारत में विजयपर्व का उल्लास है। दिक्काल उत्सवधर्म से आच्छादित हैं। श्रीराम की लंका विजय की तिथि दो दिन बाद है। भारत का मन आनंद मगन हो रहा है। श्रीराम मंगल भवन हैं और अमंगलहारी। वे भारत के मन में रमते हैं। मिले तो राम राम, अलग हुए तो राम राम। राम का नाम हम सब बचपन से सुनते आए हैं। वे धैर्य हैं। सक्रियता हैं। परम शक्तिशाली हैं। भाव श्रद्धा में वे ईश्वर हैं। राम तमाम असंभवों का संगम हैं। मर्यादित आचरण के शिखर हैं। रामकथा के सभी प्रसंग मनभावन हैं। प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरक प्रसंग हैं। युद्ध में विजय की इच्छा रहती है। संसार तमाम संघर्षों से भरा पूरा है। भारतीय चिंतन में काम-क्रोध-लोभ को भी शत्रु बताया गया है। सांसारिक अंतर्विरोधों को शत्रु कहा गया है। रामचरितमानस (लंका काण्ड) में कहते हैं कि, 'संसार शत्रु को दृढ निश्चयी रथ पर बैठ कर ही जीता जा सकता है।' रामचरितमानस (लंकाकाण्ड) में विजयश्री प्राप्ति के लिए एक मंत्र रथ का प्रतीक है। युद्ध शुरु होने को था। रावण रथ पर था। राम पैदल थे। यह देखकर विभीषण भावुक हुए। तुलसीदास ने लिखा, 'रावनु रथी बिरथ रघुबीरा। देखि बिभीषन भयउ अधीरा।' विभीषण ने राम से कहा कि आपके पास न रथ है न कवच है। आप विजयश्री कैसे पाएंगे। श्रीराम ने कहा विजय श्री दिलाने वाला रथ दूसरा है। शौर्य और धैर्य उस रथ के पहिये हैं। सत्य और शील की पताका है। बल, विवेक और इन्द्रिय निग्रह उस रथ के घोड़े हैं। घोड़े क्षमा की डोरी से रथ से जुड़े हुए हैं। ईश्वर भक्ति सारथी है। वैराग्य ढाल है। संतोष तलवार है। मन तरकश है। नीयम बाण हैं। श्रद्धा कवच है। तुलसी लिखते हैं, 'महा अजय संसार रिपु, जीति सकइ सो बीर। जाकें अस रथ होई दृढ़, सुनहु सखा मति धीर-जिसके पास ऐसा रथ है, इस संसार में वही विजय श्री पाता है।' श्रीराम प्रतिदिन प्रतिपल उपास्य हैं। विजयादशमी व उसके आगे पीछे श्रीराम के जीवन पर आधारित श्रीराम लीला के उत्सव पूरे देश में होते हैं। श्रीराम भारत बोध में तीनों लोकों के राजा हैं। त्रिलोकीनाथ हैं। भारत व भारत के बाहर भी इंडोनेशिया आदि देशों में भी श्रीराम लीला होती है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की रामलीला विख्यात है। वाराणसी देश की सांस्कृतिक राजधानी है। यहां की रामलीला दर्शनीय है। पूरे देश में रामलीला की परंपरा है। दुनिया के किसी भी देश में एक ही समयावधि में हजारों स्थलों पर ऐसे नाटक मंचन नहीं होते। रामलीला में आनंद रस का प्रवाह है। रामलीला के रुप लगातार बदल रहे हैं। यों सभी कलाएं मनोरंजन करती हैं। रामलीला मनोरंजन नहीं है। सभी नाटकों की एक कथा होती है। कुछ इतिहास से भी जुड़ी रहती है। लेकिन रामलीला की कथा काल्पनिक नहीं है। यह सत्य कथा है, प्रेरक है। मर्यादा इस ऐतिहासिक कथानक का केन्द्रीय विचार है। मूल रूप में नाटकों में भाव प्रवणता नहीं होती। नाटक का लेखक भाव अंश डालता है। नाटक के पात्र भाव प्रवणता का सृजन करते हैं। राम कथा के सभी पात्र भाव प्रवण हैं। इतिहास में हैं। संस्कृति में हैं। हम सब राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघन, हनुमान, सुग्रीव आदि के प्रति आदर भाव से भरे पूरे हैं। राम कथा हमारे अंतरंग में रची बसी है। हम सहस्त्रों वर्ष से रामलीला के दरश परस में राम रसायन का पान करते आए हैं। रामरसायन में आश्वस्ति है। रामलीला पुरातन राम कथा का पुरश्चरण है। यह कथा पुरातन है, नित्य नूतन है। रामलीला सिर्फ नाटक नहीं है। भारतीय संस्कृति का मधुमय प्रसाद है। भरत मुनि ने विश्व प्रतिष्ठ ग्रंथ नाट्यशास्त्र लिखा है। उन्होंने बताया है कि 'नाटक का मूल रस होता है'। राम कथा सभी रसों की अविरल धारा है।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

Today's Opinion

नई संसद से आईआईटी तक फैल रहा वास्तुशास्त्र

आर.के. सिन्हा

देश को मिली नई संसद की इमारत का निर्माण वास्तुशास्त्र के अनुसार होने से यह स्पष्ट है कि अब भारत में वास्तुशास्त्र के नियमों और निर्देशों के अनुसार ही बड़े भवनों से लेकर पार्कों तक का निर्माण होगा। वास्तुशास्त्र को आईआईटी जैसे अति महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थानों में भी स्वीकार्यता मिल रही है। आईआईटी, खड़कपुर में वास्तु शास्त्र को पढ़ाने का फैसला लिया गया है। ऐसा विश्वास किया जाता है कि वास्तुशास्त्र के अनुसार बनने वाली इमारतें किसी अप्रिय प्राकृतिक घटना से बचाती हैं। नई संसद या नई दिल्ली के सेंट्रल विस्टा क्षेत्र में नए सिरे से बनने वाली तमाम इमारतों में वास्तुशास्त्र के मूल बिन्दुओं का पालन करते हुए निर्माण कार्यों का होना सुखद है। यह सर्वविदित है कि वास्तुशास्त्र अति प्राचीन भारतीय विज्ञान है। वास्तुशास्त्र के अंतर्गत चार मूल दिशाओं और दस कोणों का ध्यान रखा जाता है। वास्तुशास्त्र हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित करता है। राजधानी के तुगलक क्रिसेंट रोड में विकसित भारत-आशियान मैत्री पार्क को भी वास्तुशास्त्र के नियमों के अनुसार नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) ने तैयार किया था। एनडीएमसी ने भारत में आयोजित आसियन शिखर सम्मेलन से पहले इस उद्यान को आसियान देशों के प्रति भारत के प्रति निष्ठा को व्यक्त करने के लिए बनाया था। अगर आप कभी भारत-आसियान मैत्री पार्क में घूमने के लिए जाएं तो वहां पर आपको अलग तरह का अहसास होगा। जब राजधानी में सूरज देवता आग उगलते हैं, तब भी वहां ठंडी बयार बहने लगती हैं। इसका उद्घाटन तत्कालीन विदेशमंत्री सुषमा स्वराज ने सन 2018 में किया था। तब राजधानी में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था। जब भारत-आसियान मैत्री पार्क का श्रीगणेश हुआ था तब विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने ट्वीट में लिखा था, 'फलती फूलती दोस्ती। इस पार्क के उद्घाटन के अवसर पर आसियान के महासचिव ली लुंग मिन्ह भी मौजूद थे।' आसियान को दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन भी कहा जाता है। इसका मुख्यालय इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में है। आसियान की स्थापना 1967 में हुई थी। इसके सदस्य थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलिपींस, सिंगापुर, ब्रूनेई, वियतनाम, लाओस, कंबोडिया और म्यांमार। एनडीएमसी राजधानी के अपने क्षेत्र में आने वाले उद्यानों को वास्तुशास्त्र के अनुसार ही पुनर्विकसित कर रही है। प्रख्यात वास्तु विशेषज्ञ डॉ. जे.पी. शर्मा लंबे समय से सरकारी और गैर-सरकारी भवनों का निर्माण वास्तुशास्त्र के अनुसार करने की सलाह देते रहे हैं। डॉ. शर्मा मानते हैं कि " देश की नई संसद का निर्माण वास्तुशास्त्र के अनुसार किया गया है। ये देश की उन्नति के लिए मील का पत्थर साबित होगा। देश में चौतरफा विकास होगा। संसद के अंदर सार्थक बहसें और लोक कल्याणकारी कानून बनेंगे।" वास्तुशास्त्र पर दर्जनों किताबों के लेखक डॉ. शर्मा लगातार सरकार से मांग करते रहे हैं कि वास्तुशास्त्र को शिक्षण संस्थानों में एक मुख्य विषय के रूप में पढ़ाया जाए। यह समझना होगा भारत में प्राचीनकाल में वास्तुशास्त्र के नियमों के अनुसार ही भवन निर्माण हुआ करता था। वास्तुशास्त्र भवन निर्माण कला की एक भारतीय विधा है। वास्तुशास्त्रियों का दावा है कि वास्तु के अनुसार बनने वाली इमारतों का उपयोग करने वालों के जीवन में सुख-शांति रहती है। डॉ. जेपी शर्मा ने बताया कि वास्तुशास्त्र के कुछ नियम बिल्कुल साफ हैं। उदाहरण के रूप में किसी भवन का मुख यदि पूरब की दिशा में है तो इससे वहां रहने या काम करने वालों के ज्ञान में वृद्धि होगी। उन पर मां सरस्वती की कृपा रहेगी। जाहिर है, जिस इंसान पर मां सरस्वती की कृपा रहेगी उसका कल्याण होना तय है। जो लोग वास्तुशास्त्र के अनुसार निर्माण की गई इमारतों में रहते या काम करते हैं, उन्हें स्वस्थ जीवन मिलता है। देखिए हम अपने यहां ज्ञान के प्राचीन स्रोतों को लेकर बेहद लापरवाही वाला रवैया अपनाते रहे हैं। कई बार हमें खुद ही नहीं पता होता कि उनमें कितना खजाना समाया हुआ है। उस सोच में बदलाव नजर आने लगा है।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

पेट की चर्बी कम करने के लिए रोजाना खाली पेट पिएं हल्दी वाला पानी

बढ़ते वजन को कंट्रोल करने के लिए लोग नाना प्रकार के जतन करते हैं। कुछ लोग जिम का सहारा लेते हैं, तो कुछ लोग डाइटिंग करते हैं। वहीं, कुछ लोग घरेलू नुस्खे अपनाते हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जंक फ़ूड के अत्यधिक सेवन से शरीर में फैट बढ़ने लगता है। एक बार वजन बढ़ने के बाद कंट्रोल करना आसान नहीं होता है। वहीं, लगातार बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं।

इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है। आइए जानते हैं-

हल्दी

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो वजन घटाने में हल्दी फायदेमंद साबित होती है। इसमें कई आवश्यक पोषक तत्व जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी, करक्यूमिन और पॉलीफेनॉल पाए जाते हैं, जो शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा फैट को बर्न करने में सहायक होते हैं। एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के चलते यह पेट की चर्बी कम करने में सहायक होते हैं।

> लगातार बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं। इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है।

कैसे करें सेवन

इसके लिए रोजाना हल्दी वाला पानी पिएं। इससे शरीर में मौजूद टॉक्सिन बाहर निकल जाता है। इसके अलावा, हल्दी वाला पानी पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। वहीं, बदलते मौसम में होने वाले बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है।

इसके लिए हल्दी की एक गांठ को एक गिलास पानी में अच्छी तरह से उबाल लें। इस पानी को तब तक उबालें। जब तक पानी आधा न हो जाए। इसके बाद चाय छन्नी की मदद से हल्दी पानी को छान लें। अब शहद मिलाकर इसका सेवन करें। आप चाहे तो स्वाद बढ़ाने के लिए हल्दी पानी में अदरक, नमक और काली मिर्च मिक्स कर सकते हैं। इस पानी को रोजाना पीने से पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है।

जीभ जल जाए तो तुरंत करें यह उपाय, नहीं होगा संक्रमण

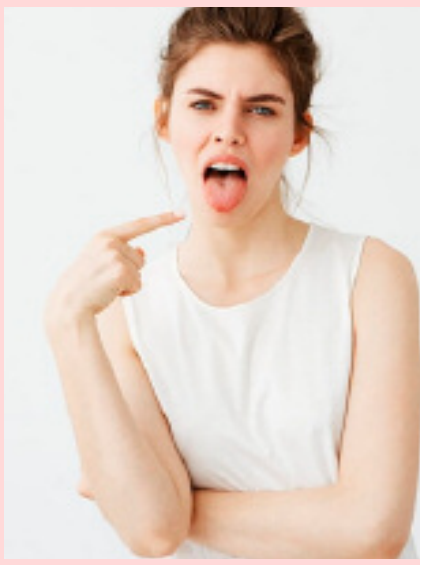

अक्सर चाय पीने या कुछ गर्म खाने के बीच में हम अपनी जीभ जला लेते हैं और फिर कई दिनों तक जली हुई जीभ की जलन से परेशान रहते हैं। आमतौर पर जीभ में जलन की समस्या धीरे-धीरे अपने आप ठीक हो जाती है, लेकिन अगर यह ज्यादा जल जाए तो यह हमें कई दिनों तक परेशान करती है। ऐसे में कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से आप जलन को शांत कर सकते हैं और जले हुए टिश्यू को ठीक कर सकते हैं। स्वास्थ्य रेखा इसके अनुसार जीभ में जलन एक आम समस्या है जिसे प्राथमिक उपचार की मदद से ठीक किया जा सकता है। लेकिन अगर यह ज्यादा जलता है तो इस स्थिति में बर्निंग माउथ सिंड्रोम हो सकता है, जिसे इडियोपैथिक ग्लोसोपायरोसिस भी कहा जाता है। यहां हम आपको बताते हैं कि अगर जीभ जल जाए तो उसे तुरंत ठीक करने के लिए आपको क्या करना चाहिए।

जीभ जली हो तो करें ये काम

संक्रमण से बचने के लिए और जीभ पर फर्स्ट-डिग्री बर्न में दर्द को कम करने के लिए, कुछ मिनट के लिए मुंह में ठंडा पानी रखें और कुल्ला करें। ठंडे पानी से गरारे करें या कुल्ला करें। इसके लिए एक कप पानी में 1/8 चम्मच नमक का घोल बनाकर इस्तेमाल करें। गर्म या गर्म तरल पदार्थों से बचें, जिससे जलन हो सकती है। दर्द और सूजन के लिए डॉक्टर की सलाह पर दवा ली जा सकती है। ज्यादा जलन होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

ये हैं घरेलू नुस्खे

बेकिंग सोडा से धो लें. इससे दर्द में आराम मिलेगा। ठंडा दही, लस्सी, आइसक्रीम खाएं। पुदीना का प्रयोग करें। इसके लिए आप च्युइंग गम का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। दर्द से राहत के लिए जीभ पर कुछ चीनी के दाने या शहद लगाकर मुंह को कुछ देर के लिए बंद रखें। दर्द को कम करने के लिए अपने मुंह में बर्फ के टुकड़े या चिप्स डालकर चूसें।

त्वचा पर चाहते हैं कुदरती निखार, तो अपनाएं ये 3 आयुर्वेदिक उपाय

महिलाओं की ख़्वाहिश होती है कि उनकी त्वचा बेदाग और खूबसूरत हो। दमकती त्वचा पाने के लिए महिलाएं कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन इससे स्किन डैमेज हो सकती है। बिना मेकअप के चेहरे में निखार चाहती हैं, तो नेचुरल तरीके से त्वचा की देखभाल करें। ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आयुर्वेदिक फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस फेस मास्क को आप खुद घर पर बना सकती हैं। आइए जानते हैं, फेस पैक बनाने का तरीका।

बेसन और हल्दी का पैक: त्वचा की खूबसूरती बढ़ाने में हल्दी काफी फायदेमंद होती है और बेसन से चेहरे के दाग-धब्बे कम हो सकते हैं। इसके लिए एक बड़े चम्मच बेसन में एक चुटकी हल्दी मिलाएं और गुलाब जल की मदद से पेस्ट बना लें। चाहें तो आप कच्चे दूध की मदद से भी पेस्ट बना सकती हैं। अब इसे चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें।

चंदन पाउडर और गुलाब जल का फेस पैक: चंदन त्वचा की खूबसूरती निखारने में बेहद मददगार है। यह त्वचा को बेदाग और कोमल बनाने में कारगर हो सकता है। इससे फेस मास्क बनाने के लिए एक कटोरी में दो चम्मच चंदन पाउडर लें, अब इसमें गुलाब जल मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा में निखार आएगा।

केसर और शहद का फेस मास्क: केसर का इस्तेमाल सेहत के साथ त्वचा को निखारने के लिए भी किया जाता है।

बच्चों में कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए अपनाएं ये टिप्स, बेहतर होगा उनका फ्यूचर

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा कॉन्फिडेंट हों। वह किसी भी स्थिति में नर्वस फील न करें। अक्सर बच्चे कॉन्फिडेंट न होने का कारण बहुत सारी एक्टिविटीज में भाग नहीं ले पाते हैं और सुनहरा मौका गंवा देते हैं। कॉन्फिडेंस होना भी, एक तरह की स्किल है। जो बच्चों को सीखाना बेहद जरूरी है। ऐसे में पेरेंट्स की जिम्मेदारी बनती है कि वो अपने बच्चों को बचपन से ही कॉन्फिडेंट बनाना सीखाएं। कई तरीकों से बच्चों में उत्साह और विश्वास ला सकते हैं। आइए जानते हैं, बच्चे का कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए कुछ असरदार टिप्स।

अच्छे काम के लिए तारीफ करें

जब आपका बच्चा कोई अच्छा काम करें, तो उसकी तारीफ करना न भूलें। बच्चे अपने पेरेंट्स से तारीफ सुनना चाहते हैं। वो चाहते हैं कि आप उनके काम को नोटिस करें। चाहे उन्होंने अपने खिलौने को सही जगह पर रखा हो, डांस किया हो या ड्राइंग बनाई हो।

आप बच्चों की प्रयासों के लिए उनकी तारीफ जरूर करें। इससे बच्चे प्रेरित होंगे और उनमें आत्मविश्वास की कमी नहीं होगी।

प्यार जताएं

चाहे बच्चे हो या बड़े, सब प्यार के भूखे होते हैं। ये हमें आत्मविश्वास से भर देता है। कई पेरेंट्स बच्चों के हर बात पर भड़क जाते हैं। जिससे बच्चा डरपोक होता है। आप अपने बच्चे से प्यार जताएं। उन्हें इस बात का भरोसा दिलाएं कि आप उनसे बेशुमार प्यार करते हैं और ये भी कहें कि किसी प्रॉब्लम में आप बच्चे का साथ नहीं छोड़ेंगे। उनकी ताकत बनें, तभी आपका बच्चा आपसे हर बात शेयर करेगा।

निगेटिव चीज़ों से दूर रखें

बच्चे गलत आदतों को बहुत जल्दी सीखते हैं। ऐसे में आप आसपास के माहौल पर ध्यान दें और बच्चों को निगेटिव माहौल से दूर रखें।

उनसे हमेशा पॉजिटिव बातें करें, कभी न कहें कि तुम इस काम को नहीं कर पाओगे, तुम पढ़ाई में विक हो आदि नकारात्मक बातें न करें। उन्हें प्रोत्साहित करने की कोशिश करें।

विविधा

पुस्तक समीक्षा :स्त्री पुरुष समानता का पोषक कविता संग्रह है 'सहसा कुछ नहीं होता'

शिवकुमार शर्मा

कविता किसी विषय को दिल से दिलों तक पहुंचाने की अन्यतम विधा है।कविता सामाजिक विषयों का दर्पण है,कविता दर्शन और रचनात्मक विचारों का लोकार्पण है। कवयित्री रक्षा के 168 पृष्ठीय संग्रह में एक सो ग्यारह कवितायें संकलित हैं।

कविता संग्रह में नारी जीवन के विभिन्न पहलुओं को उनके आयतन, क्षेत्रफल, जड़त्व, गुरुत्व का विश्लेषण करते हुए भिन्न भिन्न दृष्टिकोण से परिभाषित ही नहीं किया अपितु नारी की नियति और नारी जीवन के बाह्य-अभ्यंतर सत्य को दृढ़ता पूर्वक उद्घाटित किया गया है। एक ओर उनकी कविताओं मेंऔरत की दशा को चिंतन का विषय बनाकर सामाजिक पटल पर रखा गया है तो वहीं दूसरी ओर पाशुविक व्यवहार की पराकाष्ठा के पार जाकर स्त्री की पीड़ा को घनीभूत करने वाली विडंबनाओं को भी उकेरा गया है।

रक्षा जी की कविताएं नारी के प्रति नृशंश व्यवहार पर सीधे मिसाइल की तरह से प्रहार करने वाली है। रचनाकार अपनी कविताओं में संसार की रचनाकार की कोमल भावनाओं, करुणाशीलता और सहनशीलता की कथा कहतीं दृष्टिगोचर होती हैं तो वही दूसरी ओर विकसित कहे जाने वाले समाजों में स्त्री के ठगे जाने की व्यथा को प्रकट करने से भी नहीं चूकतीं हैं।

उनकी कविताएं प्रकृति, मानव प्रवृत्ति, राजनीति, लोकनीति, बहुत से विषयों को छूतीं है तो रीति-नीति का विश्लेषण करतीं तथा कुरीति और अनीति के समापन का सुझाव देती हैं। कविता 'प्रोडक्ट' में उपभोक्तावाद और नारी की दशा तथा 'व्यथा' में कन्या भ्रूण हत्या एवं 'कुवेराक्षी' में जिस्मफरोशी का दर्द उजागर हुआ है। शीर्षक'अच्छी औरतें'और'चरित्रहीन औरतें' स्त्री के प्रति सोच और व्यवहार पर करारा तमाचा है।

औरत के हिस्से में आया 'अधूरी नींद का पूरा सपना' तथा अपने ही उत्सव में शाम तक श्री हीन हो चुकी होती घर की लक्ष्मी' दर्द भरा यथार्थ है। स्त्री लता है। कवयित्री अपेक्षा करती है पेड़ की मजबूती किसी और लता के लिए थी,खुद क्यों नहीं हो जाती है पेड़ वह कविता दियासलाई में दुनिया को बताना चाहती है कि वह मोमबत्ती और दियासलाई जो रोशन करने के साथ-साथ माद्दा रखती है दुनिया को खाक कर देने का भी।

'जीवन की सांझ' जेंडर इक्वलिटी पर लिखी गई टीका है। कविता 'सवामणी' गरीबशास्त्र का सार संक्षेप है। प्रोडक्ट, मिक्सर, सिंफनी, ग्रे शैड नेल कटर, कवर, फेसबुक कपल, ब्रांडेड बार,स्वीट कॉर्न जैसे आंग्ल भाषा के शब्दों का समरसता पूर्वक किया गया प्रासंगिक प्रयोग भी भाषाई दृष्टि से पाठकों को खटकने वाला नहीं है।

वहीं दफ़्तर इंतेहाई, खूबसूरत, तरबियत, बेतरतीब, महफ़ूज़, शातिर, खफ़ीफ़, मुतमइन जैसे अरबी तथा आबाद, ज़ुम्बिश, शोख जर्द गुज़स्ता, दरमियान, खुशहाल, पेशानी पेशीदगी आदि फारसी शब्दों का प्रयोग भी माकूल ढंग से किया गया है।

भाषा का भाव के साथ अप्रतिम साम्य देखने को मिलता है।' मुट्ठी में बंद वर्फ की मानिंद' तथा 'मुट्ठी में बंद रेत सा सरकना' जैसी उपमाएं दृष्टव्य है।

कविता काव्य की कसौटी पर कैसी है यस मुतबहिरर या कृतमुख का विषय है। 'जहां मुस्कान आभूषण हैं और ठहाका वर्जित'ऐसे हालातों में औरत परवरिश और परिवेश के बीच संतुलन साधती नजर आती है।

कठोरता से न को कहने के लिए समूचे नारी जगत का आवाहन कृति कविताएं स्त्री पुरुष समानता का अनुष्ठान पूरा करने के लिए मूल मंत्र हैं।

कविता 'उस दिन' की पंक्तियां जब स्त्री की देह नहीं वल्कि उसका परिश्रम, पसीना बने, कविता के लिए सौंदर्य का उपमान, उस दिन धरती का अपनी धुरी पर संतुलन सबसे ज्यादा होगा शक्ति तत्व की महत्ता प्रतिपादित करती हैं।

समाज में स्त्री के प्रति सोच में अपेक्षित बदलाव की दिशा का निर्धारण स्त्री पुरुष समानता के मानदंडों की स्थापना में रक्षा जी की कविताएं नींव की ईंट साबित होगीं।

पुस्तक का नाम -सहसा कुछ नहीं होता (कविता संग्रह)
रचनाकार -रक्षा दुबे (चौबे)
प्रथम संस्करण -2021
प्रकाशक बोधि प्रकाशन,जयपुर मूल्य- 175/-

Shivkumarbhind@gmail.com

आत्मविश्वास : आत्मज्ञ ही हो सकता है आत्मविश्वासी

सिद्धार्थ अर्जुन, कवि/लेखक

'आत्म' को...अर्थात आत्मविश्वास का मानक है 'स्वयं को जानना' जब आप स्वयं को जानते होंगे तभी आपको स्वयं पर विश्वास हो सकता है, कह सकते हैं कि आत्मज्ञ ही आत्मविश्वासी हो सकता है।

टूटते और बिखरते हुये लोगों को प्रायः यह सलाह दी जाती है कि वह अपना आत्मविश्वास न खोयें, महान लोगों के बारे में भी कहा जाता है कि अमुक-अमुक जन बड़े आत्मविश्वासी थे।

वास्तविकता भी यही है कि आत्मविश्वास एक बहुत ही अद्भत चीज है परंतु मुझे जो बात सबसे ज़्यादा खटकती है वह यह कि लोग कहते हैं कि आत्मविश्वास मत खोना, कोई भी आत्मविश्वास अर्जित करने की बात नहीं करता..कोई यह चर्चा नहीं करता कि आत्मविश्वास पाया कैसे जाये, अब जो चीज़ सामने वाले के पास है ही नहीं आप उससे वह चीज न खोने देने की बात कर रहे हैं,ऐसे में उसका क्या भला होगा,उल्टे परेशानी बढ़ना तय है।

हम बात करेंगे आत्मविश्वास अर्जित करने के बारे में,अगर मैं आपसे यह प्रश्न करूँ की आत्मविश्वास क्या है तो आपका जवाब क्या होगा? आत्मविश्वास के बारे में मैंने जो पाया वह यह कि आत्मविश्वास एक मानसिक अवस्था है,वह अवस्था जिसमें हमें अपनी सामर्थ्य का विधिवत बोध होता है और यह तो शास्वत सत्य है कि बुद्ध विचलित नहीं होते, आत्मविश्वास को अर्जित करना भी बोध तक की यात्रा है जिस क्षण आपको बोध हो गया उसी क्षण आपमें आत्मविश्वास प्रस्फुटित हो जायेगा,फिर आपको उसे खोने से बचाना होगा। अब प्रश्न यह होगा कि बोध कैसा ? इस प्रश्न का उत्तर भी एक प्रश्न में निहित है वह प्रश्न यह है कि आप विश्वास किस पर करते हैं,अर्थात विश्वास का मानक क्या है? मेरी खोज कहती है कि विश्वास का मानक है जानना,अर्थात हम विश्वास उसी पर करते हैं जिसे हम जानते हैं और विश्वास करना भी उसी पर चाहिये जिसे हम जानते हों,यहाँ पर जानने का अर्थ थोड़ा गहरा है अतः तलहटी में हाथ-पैर पटक कर इसका अर्थ लगाने की त्रुटि कदापि न करें, यह स्पष्ट हो चुका है कि विश्वास का मानक है जानना, अब आइये आत्मविश्वास पर तो आत्मविश्वास का मानक भी 'जानना' ही होगा,किसे जानना?

'आत्म' को...अर्थात आत्मविश्वास का मानक है 'स्वयं को जानना' जब आप स्वयं को जानते होंगे तभी आपको स्वयं पर विश्वास हो सकता है, कह सकते हैं कि आत्मज्ञ ही आत्मविश्वासी हो सकता है तो हम जिस प्रश्न को लेकर चले थे कि बोध कैसा,तो उसका उत्तर है आत्मबोध अर्थात अपनी शक्ति और अपनी प्रवृत्ति का बोध, उदाहरण के तौर पर देखिये सूरज को, नदी को, समुद्र को...यह कभी विचलित नहीं होते क्योंकि इन्हें आत्मबोध होता है। इस प्रकार आत्मविश्वास के प्राकट्य का मार्ग यही है कि आप अपने अंदर की यात्रा करें अपने आपको समझें,अपनी सामर्थ्य को जाने,फिर उसके बाद यह बात अच्छी लगेगी जब कोई कहेगा कि आत्मविश्वास खोने मत देना,क्योंकि इस समय तक आपके पास आत्मविश्वास होगा।

आत्मविश्वास का अध्याय यहीं पर समाप्त नहीं होता परंतु आत्मविश्वास की आधारशिला यहीं से शुरू होती है तो चलिये प्रयास करते हैं,आत्म को जानने का अर्थात आत्मविश्वासी होने का।

नमिता गुप्ता मनसी उत्तर प्रदेश, मेरठ

जब कभी..वह आदमी

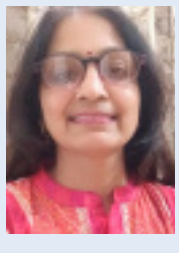

जब कभी..वह आदमी
बनना चाहता है
थोड़ा सा इंसान,
विरोध के स्वर
हो जातें हैं और भी प्रखर!!

जब कभी..वह आदमी
थोड़ा सा प्रेम चाहता है
समय की दीवारें
रचती हैं साजिशें!!

जब कभी..वह आदमी
चाहता है
थोड़ा सा एकांत,
एक शोर गूंजने लगता है
अंतस में!!

जब कभी..वह आदमी
लिखना चाहता है एक कविता
सिर्फ स्वयं के लिए,
अनपढ़ सी हो जाती हैं
सारी इच्छाएं!!

और..
जब कभी..वह आदमी
मसीहा कहलाता है
परिवर्तित हो जाता है चुपचाप
ईश्वर में!!

शिवानन्द सिंह 'सहयोगी' मेरठ

मनु को कष्ट नहीं होना है
होगा प्रलय!
किंतु यह सच है,
सब कुछ नष्ट नहीं होना है।
प्रकृति हमारी प्राणदायिनी,
नहीं मरेगी,
आया हो कोई दुख अविहित,
स्वयं हरेगी,
होगा अनय!
किंतु यह सच है,
मन यह तष्ट नहीं होना है।
किसी भयानक डर,
अकाल से, नहीं डरेगी,
बुरे दिनों के,
हर हालत में,पेट भरेगी,
होगा डयन!
किंतु यह सच है,
पहिया भ्रष्ट नहीं होना है।
अंतरिक्ष, संपूर्ण लोक का,
एका होगा,
काम सभी झटपट निबटेंगे,
ठेका होगा,
होगा चयन!
किंतु यह सच है,
मनु को कष्ट नहीं होना है।

©सरस्वती धानेश्वर भिलाई छत्तीसगढ़

मुखौटा

सियासत जब अपना मुखौटा खोल देती है
इंसानियत फिर अपने,सब्र को आजमाना छोड़ देती है!
साजिशें बुलंद होती हैं,जब अमीरी की पनाहों में,
सच्चाई फिर अपना दामन छोड़ देती है!
रचते हैं स्वांग वो बन- बन कर मदारी,
दुनिया फिर उनके इशारों पर नाचना छोड़ देती है!
हुकुमतें सजकर, गलियारों से पहुंचती हैं जब संसद तक,
बनकर बेदर्द, ये आम आदमी का आशियाना तोड़ देती हैं!
मतलबी जालिम हैं, पैमानों पर दम भरती हैं
जीत के मद में ये सीना ताने चलती हैं
जाम उछालते हुए लोगों को छलती हैं!
जाने कितनी काली करतूतें हैं, इन बेगैरत सौदाईयों की,
लगाकर गरीब की बस्ती में आग, खड़े होकर बुझाने का दंभ भरतीं हैं!
बेसहारा मजलूमों को जब पड़ जाती है, बेदर्द बेड़ियों की आदत,
मायूस होकर आंखें,मूक तमाशबीन बनतीं हैं!
बचकर रहना ही मुनासिब है इन आस्तीनी सांपों से,
पिलाया गर दूध तो ये पलट वार करतीं हैं!
ये सियासत है साहब गिरगिट की तरह रंग बदलतीं हैं!

BNM Fantasy

Sunday
22 October 2023

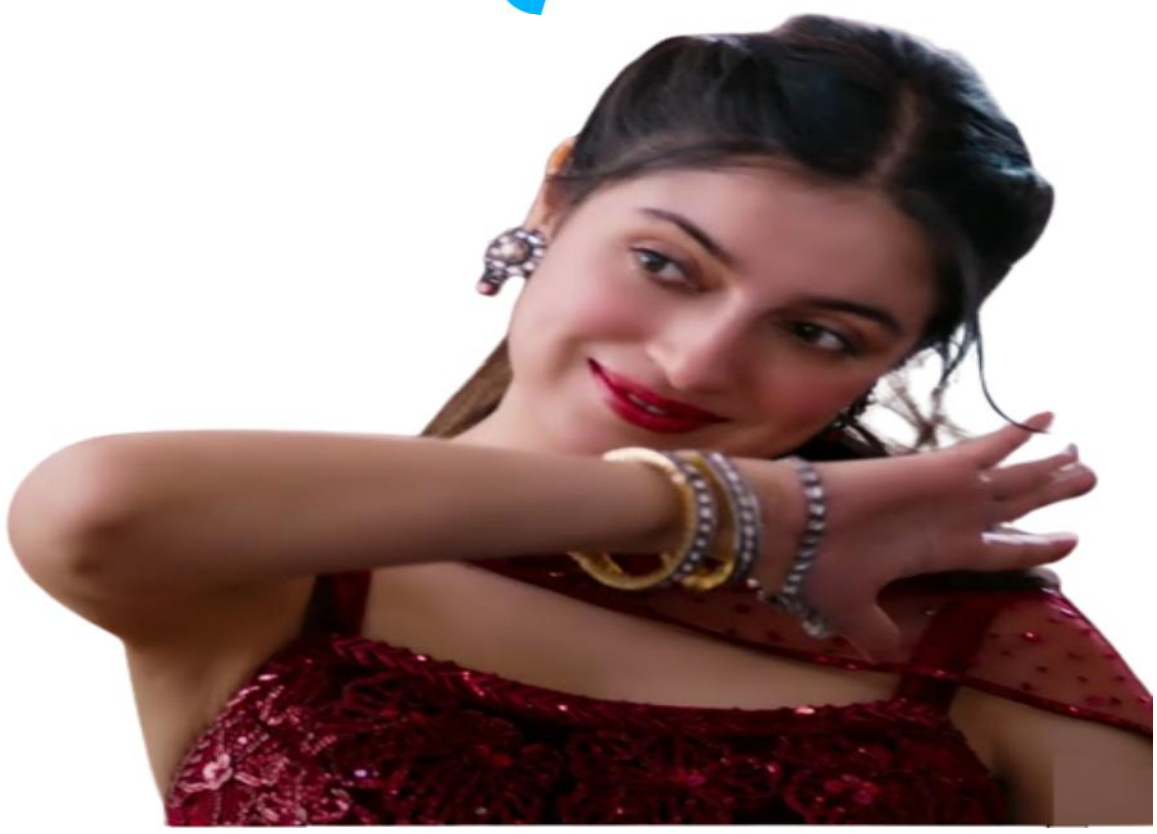

फिल्म 'यारियां-2' का नया गाना ' रिलीज़

फिल्म 'यारियां-2' का एक और नया गाना रिलीज़ हो गया है, जिसके बोल हैं 'सूट पटियाला...।' गाने के नाम से ही यह अनुमान लगाया जा सकता है की यह एक पेप्पी नंबर है। इस गाने में दिव्या खोसला कुमार के देसी मूव्स, गुरु रंधावा और नेहा कक्कड़ की आवाज़ ने इस गाने में जान डाल दी है। मनन भरद्वाज ने इस गाने को कम्पोज़ किया है। फिल्म 'यारियां-2' के 'सूट पटियाला...' के गाने लोगों को काफी पसंद आ रहे हैं। एक ऐसा पार्टी सॉन्ग है, जो निश्चितरूप से आपकी प्लेलिस्ट में अपनी जगह बना लेगा। दिव्या खोसला कुमार, यश दासगुप्ता, मिजान जाफरी और पर्ल वी पुरी स्टारर आगामी फिल्म 'यारियां-2' का म्यूजिक फिल्म का आकर्षण है।

प

पवन और स्मृति सिन्हा का गाना 'आज धरती पे उतरल बा चांद' रिलीज

स्टार पवन सिंह और स्मृति सिन्हा की फिल्म 'आज जीने की तमन्ना है' का गाना 'आज धरती पे उतरल बा चांद' रिलीज हो गया। यह गाना तेजी से वायरल भी हो रहा है। रोमांस से भरपूर इस गाने में पवन सिंह और स्मृति सिन्हा की केमेस्ट्री ने धमाल मचा दिया है। यह फिल्म जल्द ही जियो सिनेमा पर स्ट्रीमिंग की जाएगी, लेकिन उससे पहले इस फिल्म का सोमवार को रिलीज हुआ गाना दर्शकों को पसंद आ रहा है। गाना यशी फिल्म्स के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है, जिसे अब तक लाखों लोगों ने देख चुके हैं और इस गाने पर जमकर कमेंट भी कर रहे हैं। गाना 'आज धरती पे उतरल बा चांद' को मिल रहे प्यार को लेकर पवन सिंह ने कहा कि गाना हमारे दर्शकों को पसंद आया यही हमारी सफलता है। वे हमारे भगवान है। उनके लिए ही मैं गाता हूँ और मां सरस्वती की कृपा से दर्शकों को मेरी गायकी पसंद आती है। एक कलाकार के नाते इससे बढ़कर मेरे लिए कुछ भी नहीं है। जहां तक बात इस गाना 'आज धरती पे उतरल बा चांद' की है तो इस गाने में स्मृति सिन्हा के साथ मिलकर हमने लाजवाब काम किया है। स्मृति सिन्हा ने कहा कि पवन सिंह इंडस्ट्री के पावर स्टार तो हैं, उम्दा कलाकार भी हैं। इसलिए जब भी उनके साथ कोई काम करती हूं तो बहुत मजा आता है। हम इस गाने को कितना इन्जॉय कर रहे हैं, इसके लिए आप इस गाने को एक बार जरूर देखिए और सुनिए। बहुत मजा आने वाला है। दरअसल, इस गाना को पवन सिंह और दलिया चक्रवर्ती ने मिलकर गाया है।

शाहरुख खान को जान का खतरा, किंग खान को मिली

'वाई प्लस' की सुरक्षा

बॉलीवुड किंग यानी अभिनेता शाहरुख खान की जान को खतरा है। शाहरुख खान के लिए यह साल बेहद खुशियों भरा और सफलता वाला रहा है। शाहरुख की 'पठान' और 'जवान' ने सचमुच बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया। इन फिल्मों ने दुनियाभर में शानदार कमाई की। अब शाहरुख की नई फिल्म 'डंकी' भी जल्द ही दर्शकों के सामने आने वाली है। इस बीच शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' को लेकर अभी भी कुछ विवाद चल रहे हैं। इन विवादों के चलते शाहरुख खान को लगातार धमकियां मिल रही हैं। इसी वजह से अब शाहरुख खान की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। शाहरुख खान को अब 'वाई प्लस" लेवल की सुरक्षा मुहैया कराई गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख खान को पिछले कुछ दिनों में कई धमकियां मिली हैं। मुंबई पुलिस ने भी इस रिपोर्ट की पुष्टि की है। हालांकि, गोपनीयता कारणों से इस बारे में अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महाराष्ट्र राज्य खुफिया विभाग ने 5 अक्टूबर को पुलिस आयुक्तों, जिला पुलिस और विशेष सुरक्षा इकाइयों को सूचित किया। इस बीच, उन्हें तत्काल 'वाई प्लस' की सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया गया है। अब 'वाई प्लस' लेवल की सुरक्षा में शाहरुख खान 11 लोगों के घेरे में रहेंगे। इसमें 6 कमांडो, 4 पुलिसकर्मी और एक ट्रैफिक क्लियर करने वाली गाड़ी शामिल होगी। वहीं शाहरुख खान के घर यानी 'मन्नत' पर भी सुरक्षा व्यवस्था तैनात की जाएगी। इस सुरक्षा व्यवस्था के लिए शाहरुख खान को अपनी जेब खाली करनी पड़ेगी। इसलिए जब तक शाहरुख खान की जान को खतरा खत्म नहीं हो जाता, ये टीम उनकी सुरक्षा के लिए तैनात रहेगी। शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। वैसे तो फिल्म 'पठान' ने तहलका मचा दिया था, लेकिन फिल्म में उनके गाने 'बेशरम रंग' ने काफी विवाद पैदा किया था। गाने के विवाद के दौरान अयोध्या के संत परमहंस आचार्य ने शाहरुख को जान से मारने की धमकी दी थी। इसके साथ ही अब अभिनेता ऑनलाइन गेमिंग को बढ़ावा देने के लिए कानून के घेरे में फंस गए हैं। 'मन्नत' की सुरक्षा पहले ही बढ़ा दी गई है।